**भारत और केन्या के बीच व्यापार और निवेश में वृद्धि के लिए आर्थिक सहयोग के नए क्षेत्रों का पता लगाया जाना चाहिए: लोक सभा अध्यक्ष**

**...**

**वैश्विक आतंकवाद दुनिया के सामने सबसे बड़ी चुनौती : लोक सभा अध्यक्ष**

**....**

**भारत सूचना व संचार प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में अपनी क्षमता और अनुभवों को केन्या के साथ साझा करेगा: लोक सभा अध्यक्ष**

**...**

**लोक सभा अध्यक्ष ने केन्या के राष्ट्रपति से मुलाकात की**

**...**

**लोक सभा अध्यक्ष ने केन्या की सीनेट के अध्यक्ष से मुलाकात की**

**...**

**लोक सभा अध्यक्ष ने नैरोबी विश्वविद्यालय के छात्रों को संबोधित किया**

**...**

**लोक सभा कैंप कार्यालय, नैरोबी (केन्या) 17 जनवरी 2023:** केन्या और तंजानिया में भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल (आईपीडी) का नेतृत्व कर रहे लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने आज केन्याई स्टेट हाउस में केन्या के माननीय राष्ट्रपति, महामहिम डॉ. विलियम सामोई रूटो से मुलाक़ात की।

इस अवसर पर श्री बिरला ने भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल और भारत की संसद की ओर से महामहिम डॉ. विलियम सामोई रुतो को केन्या गणराज्य के राष्ट्रपति के पद पर निर्वाचित होने पर बधाई दी। श्री बिरला ने आशा व्यक्त की कि माननीय रुटो के नेतृत्व में भारत-केन्या द्विपक्षीय संबंध सहयोग और समृद्धि की नई ऊंचाइयों को छुएंगे तथा नवाचार, आईसीटी और स्वास्थ्य जैसे नए क्षेत्रों में भी दोनों देशों के संबंधों का विस्तार होगा। श्री बिरला ने कहा कि भारत आईसीटी, स्वास्थ्य, शिक्षा आदि जैसे क्षेत्रों में केन्या के साथ अपनी विशेषज्ञता और अनुभव साझा करने के लिए तैयार है। दोनों देशों के समक्ष उपस्थित साझा चुनौतियों के बारे में बोलते हुए श्री बिरला ने कहा कि भारत और केन्या आतंकवाद से पीड़ित रहे हैं और दोनों देश आतंकवाद के खिलाफ एक साझी लड़ाई लड़ रहे हैं। श्री बिरला ने इस बात पर जोर दिया कि वैश्विक आतंकवाद दुनिया के लिए सबसे बड़ी चुनौती है ।

भारत के तीव्र आर्थिक विकास और दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरने के संदर्भ में श्री बिरला ने इस बात पर ज़ोर दिया कि भारत केन्या के सबसे महत्वपूर्ण आर्थिक और व्यापारिक साझीदारों में से एक है। उन्होंने भारत और केन्या के बीच व्यापार और निवेश को और बढ़ाने के लिए कृषि और खनन जैसे पारंपरिक क्षेत्रों के अलावा दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग के नए क्षेत्रों का पता लगाए जाने की इच्छा व्यक्त की। श्री बिरला ने कहा कि इस दिशा में दोनों देशों के बीच व्यापारिक प्रतिनिधिमंडलों का नियमित आदान-प्रदान होना चाहिए। श्री बिरला ने यह भी कहा कि भारत और केन्या दोनों लोकतांत्रिक शासन में विश्वास करते हैं।

श्री बिरला ने इस बात पर जोर दिया कि आधुनिक सूचना-प्रधान युग में नवाचार और अनुसंधान महत्वपूर्ण है और इसलिए समान चुनौतियों का सामना कर रहे समान विचारधारा वाले देशों के बीच सहयोग और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। श्री बिरला ने कहा कि भारतीय युवा दुनिया के समक्ष उपस्थित जटिल चुनौतियों का समाधान करने में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। समुद्री पड़ोसियों के बीच सहयोग बढ़ाने के बारे में बोलते हुए, श्री बिरला ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि भारत केन्या के लोगों के लिए स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा का महत्वपूर्ण डेस्टिनेशन है। उन्होंने यह भी कहा कि बड़ी संख्या में भारतीय पर्यटन के लिए केन्या जाते हैं। जलवायु परिवर्तन के मुद्दे का उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने जलवायु संकट से निपटने के लिए महामहिम रूटो की प्रतिबद्धता की सराहना की और इसे दोनों देशों की साझा प्राथमिकता बताया। श्री बिरला ने यह भी कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) एक महत्वपूर्ण वैश्विक गठबंधन है जो जलवायु परिवर्तन की समस्या के समाधान की दिशा में भारत की पहल है और यह आशा व्यक्त की कि केन्या जल्द ही इस संगठन का सदस्य बन जाएगा।

लोक सभा अध्यक्ष की केन्या की सीनेट के अध्यक्ष से मुलाकात

श्री बिरला ने सीनेट के स्पीकर, माननीय श्री अमासन जेफा किंगी से भी मुलाकात की। इस भेंट के दौरान अन्य मुद्दों के साथ-साथ संसदीय सहयोग को और मजबूत करने, मैत्री ग्रुपों के गठन और सदस्यों की क्षमता निर्माण के बारे में चर्चा हुई। इस अवसर पर बोलते हुए, श्री बिरला ने कहा कि भारत और केन्या के बीच सदियों से घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंध रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्राचीन काल से, समुद्री पड़ोसियों ने हिंद महासागर के स्वाहिली तट के माध्यम से व्यापार किया है। श्री बिरला ने कहा कि दोनों देशों के लोगों के बीच व्यापार, विकास में साझेदारी और क्षमता निर्माण पर आधारित मजबूत संबंध रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि समय के साथ व्यापक आर्थिक सहयोग; विकास में साझेदारी और आतंकवाद का मुकाबला करते हुए शांति और सुरक्षा बनाए रखने के साझे लक्ष्य के कारण भारत और केन्या के बीच संबंध और मजबूत हुए हैं; । श्री बिरला ने कहा कि भारतीय लोकतांत्रिक संस्थाएं दुनिया के सामने समावेशी विकास का एक आदर्श उदाहरण रख रही हैं। श्री बिरला ने आशा व्यक्त की कि भारत और केन्या के बीच अधिकाधिक संसदीय संबंधों में सहयोग और संवाद बढ़ेगा।

माननीय अध्यक्ष ने नैरोबी विश्वविद्यालय के छात्रों को संबोधित किया

बाद में श्री बिरला ने नैरोबी विश्वविद्यालय में छात्रों को संबोधित किया। इस अवसर पर श्री बिरला ने कहा कि युवाओं में नई सोच है, ऊर्जा है, कुछ नया करने का संकल्प है। आज के महत्वाकांक्षी भारत में युवाओं को महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है। सरकार की समर्थकारी नीतियों और युवाओं के प्रयासों से आज भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। भारत की विकास गाथा की बात करते हुए, श्री बिरला ने कहा कि हाल के वर्षों में शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रौद्योगिकी, अर्थव्यवस्था के क्षेत्रों में काफी बदलाव आया है और इसके परिणामस्वरूप समाज में भी परिवर्तन आए हैं। उन्होंने स्किल इंडिया और स्टार्ट अप इंडिया की सरकार की पहल का उल्लेख किया और बताया कि कैसे ये योजनाएं युवाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं।

श्री बिरला ने नैरोबी में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

श्री बिरला ने अपनी यात्रा के दौरान केन्या के पूर्व छात्रों और मीडिया से भी बातचीत की।